बीकानेर में गिरे ओले, श्रीडूंगरगढ़ में खेतों में सफेद चादर बिछी

पुनंदलसर गांव से चार किलोमीटर तक ओलों की चादर

बीकानेर, (कासं)। गुरुवार के बाद शुक्रवार को भी बीकानेर के कई हिस्सों में बारिश हुई है। वहीं, श्रीडूंगरगढ़ में शुक्रवार को जमकर ओलावृष्टि हुई। खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। इससे फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है।

श्रीडूंगरगढ़ के पुदंलसर, सालासर, दुसारणा की रोही में ओले गिरे। कई इलाकों में चारों तरफ ओले ही ओवे नजर आई। बर्बाद फसलों को देखकर किसान मायूस हो गए। उन्हें अब उम्मीद और सहारा केवल राज से ही शेष रहा है। पुनंदलसर गांव से 4 किलोमीटर तक आथुनी रोही में खेतों में ओलों की चादर बिछ गई। किसानों ने बताया- फसल को भारी नुकसान हुआ है। सरसों और चने की फसल लगभग बर्बाद हो गई है। सालासर की रोही में भी ओलावृष्टि हुई है।

सिंचित किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। गांव दुसारणा में सरसों की फसल को काफी नुकसान हो रहा है। ओलावृष्टि के चलते बीकानेर जिले में कई जगह नुकसान हो चुका है। लूणकरनसर के दर्जनभर गांवों में पिछले एक महीने में तीन बार ओलावृष्टि हो चुकी है। लूणकरनसर के साथ महाजन, खाजूवाला, अरजनसर और अब श्रीडूंगरगढ़ में भी नुकसान हो चुका है।

ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

नरैना, (निसं)। बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खेतों में पड़ी कटी हुई फसलों को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नरैना व भरतोलाव में बरसात के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की अच्छी फसल के मंसूबों पर पानी फेर दिया। किसान गौरीशंकर मालू,मामदीन खां सिलार, रामप्रसाद बागड़ा, सुल्तान अगवान, इस्लाम मिलावत,बद्री बावरिया ने बताया कि खलिहानों में पड़ी सरसों की फसल सहित खेतों में खड़ी व फसल कटाई के बाद खेतों में पड़ी फसल को बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से खासा नुकसान हुआ है।

आफत की बारिश, किसान त्रस्त

फागी क्षेत्र में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

फागी, (निसं)। कस्बे एवं आसपास के सम्पूर्ण क्षेत्र में आफत की बारिश बरसी, जिससे अन्नदाताओं के चेहरे पर मायूसी छा गयी। दो दिन से क्षेत्र में हो रही बारिश से खेतों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ तो काटी गयी फसलें खेतों भरे पानी में तैरती नजर आयी।

फागी कस्बे से लगे ग्राम लसाडिया एवं आसपास ओलों की बारिश ने किसानों रूला दिया। तैयार फसल चौपट होने से किसान ठगा सा महसूस करने लगा। लसाडिया के किसान दुर्गासिंह ने कहा कि खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है, आखिर दोष भी दे तो किसे। वहीं दूसरी ओर किसान छोटू मानहाला का कहना है कि दो दिन से क्षेत्र में हो रही हल्की तो कहीं भारी बारिश से आमजन त्रस्त एवं ठगा सा महसूस करने लगा है।

कहीं झमाझम, कहीं रिमझिम

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर 30 मार्च तक सक्रिय रहने के आसार थे, मगर उसका असर आज भी देखने को मिला। प्रदेश के कई स्थानों पर बारिश हुई। बूंदाबांदी बाद में कहीं कहीं मूलसाधार में तब्दील हो गई। सडक़ों पर पानी बहने के साथ घरों में भी परनालें शुरू हो गई। बेमौसम बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कट चुके खाद्यानों को नुकसान होने की प्रबल संभावना है। होली पर फसलें कटी है जोकि खेतों में अब भी बिछी पड़ी है। शनिवार से विक्षोभ का असर खत्म होने पर फिर से तेज धूप खिलने के साथ गर्मी का असर बढ़ेगा।

मौसम विभाग ने प्रदेश पर 29 से 31 मार्च तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की थी। जोधपुर संभाग के जोधपुर, जैसलमेर में तेज बारिश के आसार जताए थे। पिछले दो दिनों से मारवाड़ पर बादलों की आवक बनी हुई थी। आज सुबह तक तो तेज धूप खिलीं रही। मगर दोपहर एक बजे के बाद अचानक से आसमां काली घटाओं में घिरने लगा। बूंदाबांदी से शहर में छितराई बारिश आरंभ हो गई।

लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बे बंद रहे, आमरण अनशन 11 दिन से जारी

मालपुरा को जिला बनाने की मांग

जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने 11 दिन से अनशन पर बैठे युवाओं से समझाइश की।

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर गैर राजनैतिक मंच कोर कमेटी के बैनर तले 13 दिन से चल रहे जनआंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को लाम्बाहरिसिंह व लावा कस्बा पूर्ण रूप से बंद रहा। व्यापारी व ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंप 5 हजार से अधिक हस्ताक्षर किये।

■ **अनशनकारी युवाओं से मिले पूर्व शिक्षा मंत्री सुरेन्द्र व्यास व विधायक कन्हैयालाल एवं पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी**

जिला बनाओ कोर कमेटी के प्रतिनिधि मंडल में शामिल पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामविलास चौधरी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष व सहवृत्त पार्षद प्रेमप्रकाश सैनी, कन्हैयालाल सैनी, गोपाल गुर्जर व महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आशा नामा सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगरपालिका पार्षदों ने शुक्रवार को अजमेर पहुंच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कोर कमेटी का मांग पत्र सौंप मालपुरा को जिला बनाने की मांग करते हुए जिला बनने के तथ्यात्मक दस्तावेजों की रिपोर्ट सौंपी।

खादी भंडार सभागार में डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल व भैरू सिंह शेखावत ने नवीन जिले बनाने से पहले भौगोलिक व राजस्व सहित सभी पहलुओं पर मंथन कर बिना राजनैतिक दबाव के जिले बनाये थे। लेकिन मुख्यमंत्री गहलोत ने नवीन जिलों के गठन के मापदण्डों को नजरअंदाज कर 19 जिलों की घोषणा कर राजस्थान में जनता को आंदोलन का रास्ता दिखाया है। साथ ही व्यास ने बताया कि वर्ष 1947 में आजादी के बाद जयपुर जिला बोर्ड एक्ट कानून लागू कर चार जिलों का गठन करते हुए सवाई जयपुर, झुंझनु, मालपुरा व सवाईमाधोपुर को जिला बनाया गया था। लेकिन इस दौरान रियासतों के चल रहे विलयकरण के चलते चारों जिलों को गठन पर पुनर्विचार के लिए 22 जुलाई 1950 को एक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अपनी रिपोर्ट तीन साल में पूरी कर सौंपने के बाद जिलों के पुर्नगठन में टोंक को जिला बना मालपुरा को कमिश्नरी बनाया गया।

कमेटी व सरकार की इस रिपोर्ट व जिलों के गठन में मालपुरा की हुई अनदेखी पर मदन सिंह वगैरह ने बनाम कलेक्टर सीकर के राजस्थान हाईकोर्ट में 16 अप्रेल 1953 को वाद दायर कर मालपुरा को ही जिला बनाने की मांग की थी। लेकिन 76 साल पूर्ण हो जाने के बाद भी जिला मुख्यालय की सभी सुविधा व मापदण्ड पूरे होने के बावजूद मालपुरा को जिला नहीं बनाया गया। इसी का परिणाम है कि आज मालपुरा में बच्चा-बच्चा शहर से गांव-ढाणी तक आंदोलन कर रहा है।

विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास व पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी ने जनप्रतिनिधियों के साथ एसडीएम आवास के सामने तीन दिन से आमरण अनशन पर बैठे पूर्व विधायक रणवीर पहलवान व 11 दिन से आमरण अनशन एवं तीन दिन से मौन व्रत लिये धरना व अनशन पर बैठे स्वप्रिल भडाणा, कमलेश सैनी, प्रधान जाट हिन्दु, के धरना स्थल पर पहुंच समझाईश का प्रयास करते हुए कहा कि जिला मुख्यालय बनने के सभी मापदण्ड पूर्ण रखते हुए 76 साल से मालपुरा को जिला बनाने की मांग उठ रही व क्षैत्रवासियों के अधिकारो की अनदेखी कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव से 9 माह पूर्व चुनावी कार्ड खेलते हुए रामलुभाया कमेटी की तथ्यात्मक रिपोर्ट को नजर अंदाज कर अपने चहेतों को राजनैतिक लाभ पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर की दूदू को जिला बना दिया। इतना ही नही नवीन जिले बनाने के लिए रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाने के बाद डॉ. रघु शर्मा ने केकडी को जिला बनाने का प्रस्ताव रखने के बावजूद सीएम ने केकडी को भी जिला बना दिया, जो कि नैतिक व कानून तौर पर गलत है।

ऐसे मे मालपुरा को जिला बनाने के लिए शुरू किया गया यह आंदोलन लम्बा चलेगा। तीनों ही जनप्रतिनिधियों व शहर के प्रबुद्धजनों ने अनशनकारियों से अनशन समाप्त कर धरना प्रदर्शन सहित अन्य आंदोलन के जरिए अपने अधिकारों की लडाई लडने का प्रस्ताव रखा। जिसे तीनों अनशनकारी युवकों ने अस्वीकार कर राज्य सरकार अथवा रामलुभाया कमेटी की घोषणा अथवा आश्वासन के बाद ही अनशन तोड़ने का अपना निर्णय सुना मौन व्रत ले लिया। डॉ. व्यास ने आमजन से अपील करते हुए शनिवार को 11 बजे धरना स्थल पहुंच अनशनकारियों का अनशन समाप्त करने की कि अपील करें।

झुंझुनूं। जिलेभर में बदले मौसम के साथ बारिश और ओलावृष्टि भी हुई। बारिश के किसानों के चेहरे पर शिकन नजर आ रही है। गेहूं की फसल कटाई की जा रही हैं और कई जगह लगभग काट कर खेतों में रखी हुई हैं। जिसको बारिश और ओलावृष्टि ने प्रभावित किया है। बारिश की आशंका के चलते निकटवर्ती गांव सोती में एक खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल को बारिश से बचाने के लिए किसान अजय ने तिरपाल लगाकर कुछ इस तरह जतन किया।

तेज बरसात के साथ ओले गिरे

झुंझुनूं, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अचल में बरसात का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। कई स्थानों पर तेज बरसात के साथ ओले गिरे। बरसात व ओलावृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ है। दोपहर में आसमान में बादलों की आवाजाही के कारण धूप-छांव का खेल शुरू हुआ। इसके बाद काले बादलों के आने से दिन में अंधेरा सा हो गया और बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ। जो चंद मिनटों में रिमझिम व तेज बरसात में तब्दील हो गया। शहर में करीब 20 मिनट बरसात का दौर चला। इसके बाद आसमान एक बार फिर साफ हो गया और धूप खिली। जिले के मंडावा कस्बे में भी तेज बरसात हुई। कस्बे में बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। इससे बाजार सहित लोगों के घरों की छत व गलियों में ओलों की चादर बिछ गई। बरसात के कारण खेतों में काटकर रखी फसल को नुकसान हुआ। किसान ओलों व बरसात के बीच ही फसल बचाने का जतन करते रहे।

मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े:- इधर, मौसम के बार-बार बदलने के कारण मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़ गए है। निजी चिकित्सालयों के चिक्तिसकों की राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में हडताल के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों की कतार लग रही है। अस्पतालों में ज्यादातर सर्दी, खांसी व बुखार के मरीज पहुंच रहे है। सरकारी अस्पताल में आउटडोर पहले की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

मासूम से दुष्कर्म मामले में मृत्युदंड की सजा

चित्तौड़गढ़, (निसं)। जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में करीब एक वर्ष पूर्व ढाई साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद हत्या करने और शव को कुएं में फेंकने के मामले में पोक्सो कोर्ट- चित्तौड़गढ क्रमांक प्रथम के न्यायाधीश ने शुक्रवार शाम को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अभियुक्त को दुष्कर्म और हत्या का दोषी माना है तथा उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई है। वारदात के करीब 11 माह बाद कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है।

विशेष लोक अभियोजक पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ शोभालाल जाट ने बताया कि 21 अप्रैल 2022 को बस्सी थाना क्षेत्र में यह वारदात हुई थी। इसमें विवाह समारोह में अपनी मां के साथ आई एक ढाई साल की मासूम को अभियुक्त उठा कर ले गया और दुष्कर्म के बाद गला दबा कर उसकी हत्या कर दी तथा शव को कुएं में फेंक दिया था। इस मामले में पुलिस ने बस्सी थाने पर 68/2022 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया और अनुसंधान शुरू किया। इस मामले में अभियुक्त भीलवाड़ा जिले के बिगोद थाना क्षेत्र में आने वाले किशनपुरा गांव निवासी रमेश पुत्र नानूराम धाकड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के उच्च अधिकारियों के आदेश पर तथा घटना की गंभीरता को देखते हुए इस प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम में लिया गया।

इस मामले में अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहना खानम की ओर से किया गया। पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया। इस मामले में पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ क्रमांक-एक के न्यायाधीश ने अभियुक्त को दोषी पाया और शुक्रवार को सजा सुनाई है।अभियुक्त को चार अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई, जिसमें मुख्य रुप से धारा 302 में मृत्युदंड की सजा सुनाई। प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में 23 गवाह और 90 दस्तावेज के अलावा 14 आर्टिकल पेश किए। अभियुक्त को ढाई साल के बच्चे का लिंग काटने के मामले में भी दोषी पाया गया। अभियुक्त को सजा सुनाने के दौरान न्यायालय परिसर में हलचल भी देखने को मिली।

प्रहराधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों की टीम ने सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी को छह हजार रूपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी लाइसेंसशुदा शराब की दुकान को निर्बाध चलने देने एवं परेशान नहीं करने के एवज में सलूम्बर आबकारी थाने के प्रहराधिकारी राजेन्द्र प्रसाद जाटव द्वारा तीन माह की बंधी के रूप में 6 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्रप्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी की डूंगरपुर इकाई के उप अधीक्षक हेरम्ब जोशी क्षरा शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप कार्यवाही करते हुए राजेन्द्रप्रसाद जाटव पुत्र भागचंद निवासी ग्राम सलेमपुर तहसील महुवा जिला दौसा हॉल प्रहराधिकारी आबकारी थाना सलूम्बर को 6 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

खेत बने दरिया, किसान हुए मायूस

पाटन, (निसं)। किसानों की फसल लगभग पक कर तैयार खड़ी है तथा चने, सरसों एवं कई जगहों पर गेहूं की कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बेमौसम की बारिश ने किसानों को रुला दिया है वहीं खेत भी पानी के दरिया बन चुके हैं। अधिकांश फसल पहले अत्यधिक ठंड में खराब हो चुकी थी। रही सही कसर चैत्र माह में लगातार बारिश कर खराब कर दी है।

चैत्र मास के समापन पर व वैशाख लगते लगते लगभग किसान अपनी फसल की कटाई कर लेते हैं परंतु इस वर्ष तो मानो कुदरत ने किसानों पर कहर ही ढा दिया है। किसानों के खेतों में कटी हुई सरसों पड़ी है तो कई खेतों में कटे हुए चने पड़े हैं, गेहूं की फसल पक कर खड़ी हुई है परंतु बारिश और ओलावृष्टि से अधिकांश फसल चौपट हो चुकी है। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों को जो नुकसान हुआ है उसके आंसू पोछने वाला भी कोई नहीं है। सरकार ने अत्यधिक ठंड में खराब हुई सरसों की फसल का मुआवजा देने का वायदा तो किया है लेकिन क्या इस बारिश और ओलावृष्टि का मुआवजा सरकार दे पाएगी।

थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा में ओले गिरे

अलवर, (निसं)। अलवर के थानागाजी, मालाखेड़ा व बालेटा के आसपास शुक्रवार दोपहर बाद 30 मिनट तक ओले गिरे। थानागाजी में सरिस्का के पास ओलों से दूर तक धरती सफेद हो गई। खेतों में खड़ी फसल चौपट हो गई है, किसानों को मोटा नुकसान हो गया। 7 दिन पहले अलवर टहला, राजगढ क्षेत्र में ओलों से पूरी फसल चौपट हो चुकी है। अब बालेटा-मालाखेडा के आसपास कई किलोमीटर में ओले बिछ गए। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बालेटा के किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल चौपट हो गई। सरसों की कटाई हो चुकीथी, लेकिन सरसों पूरी तरह चौपट हो गई। यहां किसानों को मोटा नुकसान हुआ है। किसानों का कहना है कि सरकार को किसानों की मदद करनी चाहिए। तुरंत गिरदावर रिपोर्ट कराकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। ताकि उनको कुछ राहत मिल सके।

तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में बीती रात्रि से मौसम बदला रहा है और रात्रि को तेज हवाओं के साथ बैमौसम बारिश हुई तो शुक्रवार को दोपहर बाद बादल छाने के साथ ही हल्की बारिश हुई।

जिला मुख्यालय पर बीती रात्रि को अचानक हवाएं चलना शुरु हो गई और उसके साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया, अचानक बारिश का दौर शुरु होने से किसानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई और बारिश के चलते खेतों में खड़ी व कटी हुई पड़ी गेंहू, चने की फसलों को नुकसान हुआ। वहीं बारिश के चलते रामनवमी के साथ शादी ब्याह का मजा किरकिरा हो गया। शादी ब्याह के आयोजकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं शुक्रवार को सुबह धूप निकलने के बाद दोपहर बाद मौसम बदल गया और बादल छाने के साथ गर्जना के साथ हल्की बारिश हुई। बैमौसम बारिश का दौर चलने से किसानों की पकी पकाई फसलों को नुकसान हुआ।

कटी फसलों को हुआ नुकसान

खिरोड़, (निसं)। क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को तेज बरसात हुई। जिससे खेतों में कटी कटाई बड़ी फसल में नुकसान हुआ। फसल में नुकसान होने से किसान निराश नजर आने लगे हैं।

क्षेत्र के कुछ इलाके में चने के आकार के ओले भी गिरे। किसान सांवरमल गिला ने बताया कि क्षेत्र की कैमरी ढाणी एवं पास पडौस के इलाके में चने के आकार के ओले गिरने से गेहूं चने आदि की फसल में काफी नुकसान हुआ है।

ओले गिरने से खेतों में फसल को नुकसान होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। किसानों ने प्रशासन से बरसात ओलों से नष्ट हुई फसल का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

संजीवनी सोसायटी: चार और प्रकरण दर्ज

मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से सोसायटी ने की थी ठगी

जोधपुर, (कासं)। मोटा मुनाफा और निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करने वाली सोसायटी संजीवनी के खिलाफ चार और प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज हुए है। इससे पहले इसी थाने में आधा दर्जन केस दर्ज किए जा चुके है।

सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि चौथी बी रोड सरदारपुरा निवासी गोपाल शर्मा पुत्र नंदलाल शर्मा और कनोजिया भवन 11 वीं ई रोड निवासी ओमप्रकाश पुत्र श्यामलाल कनोजिया ने रिपोर्ट दी कि उन्होंने संजीवनी कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के नसरानी सिनेमा के पास स्थित शाखा में निवेश किया। लेकिन सोसायटी ने उनका पैसा वापस नहीं लौटाया। इसी प्रकार बलदेव नगर शिव मंदिर के पास रहने वाली सावित्री सोनी पत्नी रूपाराम सोनी ने और आमली का बास बालाजी मंदिर के पास रहने वाली रेनू सोनी पत्नी तुलसीराम सोनी ने भी अलग अलग प्रकरण सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाए है। इससे पहले कल एक साथ करीब एक दर्जन मामले दर्ज कराए गए थे।

क्या है संजीवनी घोटाला:- संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी को राजस्थान सोसाइटी एक्ट के तहत 2008 में रजिस्टर्ड कराया गया था. इसके बाद 2010 में ये सासाइटी मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी के रूप में बदल गई।इस सोसाइटी के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह थे, जो घोटाले की जांच में प्रमुख नाम भी हैं। विक्रम सिंह को ही इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड माना जाता है, जिनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। संजीवनी पीड़ित संघ का दावा है कि कोऑपरेटिव सोसाइटी में लोगों ने भारी रकम निवेश की थी, लेकिन उन्हें पैसा वापस नहीं किया गया और उसका गलत तरीके से गबन कर लिया गया।

इधर यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में तब आया जब पीड़ितों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर अपना पैसा दिलाने की मांग की।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जोधपुर दौरे के समय पीड़ितों के एक शिष्टमंडल से मुलाकात की तथा मदद की गुहार लगाई। राज्य के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को करोड़ों रुपये की ठगी के साथ-साथ अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति से अवगत कराया। पीड़ित इस मामले में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की भी भूमिका बता रहे हैं।मुख्यमंत्री गहलोत ने पीड़ितों को भरोसा दिलाया और कहा कि उनकी सरकार पीड़ितों की जमा राशि को वापस दिलाने का हर संभव प्रयास करेगी।

इसके बाद से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर रहे हैं। इससे लोगों को आश जगी कि उनकी मेहनत की कमाई अब वापस मिल जाएगी। यही कारण है कि जो पीड़ित अब तक चुप बैठ थे, वे भी आगे आकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने लगे हैं।

इधर मुख्यमंत्री ने शेखावत को लेकर बयान बाजी शुरू कर दी। इसका परिणाम यह हुआ कि सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आमने-सामने आ गए हैं। गहलोत जहां इस घोटाले में गजेंद्र सिंह शेखावत के शामिल होने की बात कर रहे हैं तो वहीं शेखावत सीएम के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। इसके बाद भी गहलोत इस मामले को लेकर जोधपुर से सांसद और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। गहलोत ने शेखावत को चेलैंज करते हुए खहा कि यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा दिलाने के लिए आगे क्यों नहीं आते?

वहीं शेखावत, गहलोत को चेलैंज करते हुए कह रहे हैं कि अगर आरोप सहीं हैं तो साबित करिए। अपने खिलाफ लग रहे आरोपों के बाद गजेंद्र सिंह शेखावत ने गत शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में एक शिकायत भी दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाया था कि संजीवनी घोटाले से नाम जोड़कर उन्हें बदनाम किया जा रहा है।

दूसरी तरफ राजस्थान हाई कोर्ट की जोधपुर खंडपीठ ने यूनियन ऑफ इंडिया समेत सभी 17 पक्षकारों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वालों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उनकी पत्नी नोनंद कंवर का नाम भी शामिल है। हाई कोर्ट ने ये नोटिस संजीवनी पीड़ित संघ की याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने लोगों से भारी निवेश कराया,निवेशकों को फर्जी रिकॉर्ड पोस्टर दिखा कर धोखे में रखा गया। ये पूरा घोटाला करीब 900 करोड़ का बताया जा रहा है।

निजी चिकित्सकों ने सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लगाई

नवलगढ़ कस्बे में निजी चिकित्सकों ने झाड़ू लगाकर आर.टी.एच. विधेयक का विरोध किया।

नवलगढ़, (निसं)। कस्बे के निजी चिकित्सालय के चिकित्सकों ने आरटीएच के विरोध में सरकारी अस्पताल के सामने झाड़ू लेकर सड़क पर सफाई कर रोष प्रकट किया। डॉ. मिनाक्षी जांगिड़ ने अपने उदबोधन मे कहा कि सरकार अपने दिलों दिमाग से कचरा साफ करें। नकारात्मक सोच को निकाले और ठंडे दिमाग से सोचकर कानून बनाऐ और इस काले कानून आरटीएच को हटाए।

सफाई अभियान में डॉ. मनीष जांगिड, डॉ. राजेश सैनी, डॉ. प्रदीप सिंगोदिया, डॉ. हेमंत गुप्ता, डॉ. आभा गुप्ता, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. मिनाक्षी जांगिड, डॉ. विवेक, डॉ. नवल सैनी, डॉ. कैलाश सैनी, डॉ. जितेंद्र चौधरी, डॉ. अमित सैनी आदि चिकित्सक तथा अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।